BSNL EMPLOYEES UNION

Recognised Union in BSNL

(Registered Under Indian Trade Union Act 1926. Regn.No.4896)

CHQ:Dada Ghosh Bhawan, Opp. Shadipur Bus Depot., New Delhi – 110008

Email: bsnleuchq@gmail.com, website: bsnleu.in

P. Abhimanyu
General Secretary

Phone: (O) 011-25705385
Fax : 011- 25894862

BSNLEU/114(PRESS) **Dated: 02.09.2019**

प्रेस विज्ञप्ति

BSNL मैनेजमेंट एक बार पुनः अपने कर्मचारियों को माह अगस्त 2019 का वेतन भुगतान करने में विफल रहा है। यह अत्यंत खेद जनक है कि मैनेजमेंट अपने कर्मचारियों को यह बताने की स्थिति में भी नही है कि वेतन का भुगतान आखिर कब होगा। इस वर्ष यह तीसरा मौका है जब BSNL मैनेजमेंट अपने कर्मचारियों को समय पर वेतन भुगतान नही कर पा रहा है। BSNL एम्प्लॉईज यूनियन द्वारा 03.09.2019 को वेतन के तुरंत भुगतान की मांग को ले कर देश भर में प्रदर्शन करने का आव्हान किया गया है।

DoT और BSNL मैनेजमेंट द्वारा अगस्त माह के वेतन के समय पर भुगतान की व्यवस्था सहजता से की जा सकती थी। सरकार द्वारा, पेंशन कॉन्ट्रिब्यूशन के रूप में BSNL मैनेजमेंट द्वारा अधिक भुगतान की गई राशि के रूप बहुत बड़ी राशि, BSNL को वापस की जानी है। यूनियन की जानकारी अनुसार, DoT से BSNL को देय अन्य कुछ पेमेंट्स भी ड्यू हो गए हैं।

BSNLEU का यह दृढ़ मत है कि वेतन का समय पर भुगतान न किए जाना, DoT और BSNL मैनेजमेंट का BSNL कर्मचारियों के मस्तिष्क में भय और हताशा निर्मित कर उन्हें शीघ्र ही सरकार व BSNL मैनेजमेंट द्वारा प्रस्तावित VRS पर जाने के लिए बाध्य करने का स्पष्ट प्रयास है।

BSNL का ऋण उन निजी कम्पनियों की तुलना में काफी कम है, जिनके द्वारा लिया गया ऋण लाखों करोड़ों की सीमा में है। PMO में 20.08.2019 को सम्पन्न मीटिंग में नीति आयोग के सीईओ और DFS के सेक्रेटरी को BSNL और MTNL को भविष्य में ऋण देने से संबंधित मुद्दे के निराकरण के लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ इंडिया के चेयरमैन के साथ मीटिंग करने हेतु निर्देशित किया गया था। PMO के उपरोक्त निर्णय अनुसार, BSNL को बैंक लोन प्राप्त करना सुनिश्चित हो सके, इस हेतु क्या कार्यवाही हुई, यह ज्ञात नही है।

यह अब रहस्य नही है कि BSNL जिस नगदी की कमी से जूझ रहा है वह राजस्व में आई भारी गिरावट की वजह से है और यह गिरावट रिलायंस जियो द्वारा अपनाई गई प्रीडेटरी प्राइसिंग (लागत से कम मूल्य) का परिणाम है। उपर्युक्त कारणों से , BSNL का राजस्व संग्रह रु 32,000 करोड़ से गिर कर रु 18,000 करोड़ रह गया है। सरकार द्वारा, रिलायंस जियो द्वारा लागू प्रीडेटरी प्राइसिंग पर रोक के लिए कोई सार्थक प्रयास नही किए गए हैं और न ही दूरसंचार उद्योग को गंभीर संकट से उबारने के लिए।

BSNLEU के साथ साथ ऑल यूनियन्स एंड एसोसिएशन्स ऑफ BSNL (AUAB) द्वारा पूर्व में, कंपनी की अल्पकालीन और दीर्घ कालीन वित्तीय जरूरत की पूर्ति के लिए BSNL को सरकार द्वारा सॉफ्ट लोन दिए जाने की मांग की जा चुकी है। यहां, यह बताना अप्रासंगिक नही होगा कि भारत सरकार द्वारा 63 राष्ट्रों को रु 1,96,000 करोड़ का सॉफ्ट लोन दिया जा चुका है। वर्तमान परिस्थिति में, BSNLEU एक बार पुनः मांग करती है कि भारत सरकार व BSNL मैनेजमेंट, BSNL को शीघ्र सॉफ्ट लोन देने हेतु आवश्यक कार्यवाही करे। BSNLEU यह भी मांग करती है कि कर्मचारियों को अगस्त माह का त्वरित भुगतान सुनिश्चित करने के लिए DoT और BSNL मैनेजमेंट सार्थक कार्यवाही करे।

पी अभिमन्यु,
महासचिव,
BSNL एम्प्लॉईज यूनियन,
मोबाइल न. 986823113